

नकल 252 राजनाथजी काव्यशाला हस्तका - 20000 नकल तैयार करके देना राजा जयशंकर

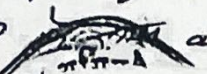
16 नवम्बर 2024 सुं 24 बजतेको शोका समय 1945

पौडलेख 129
श्रीजी
वेदनामानस

आज के वीर आनंद, आदेश शीतल नामक वधनी लकार लहेल
कासीपुर के डायरेक्टर कारना के कांटी ललाजिन विनाग
2105106 (हॉट) के आदेश अनुसार श्रीजी शैली - आजका आनंद

आशी की लाना 66
 $\frac{41}{(311)} - \frac{512}{(716)} - 8 - 9 - 101 - 3 - 11/2 - 12 - 13$
 $(80) (80) (316) (80) (24) (80) (80)$

66
 $\frac{14}{(0-10)} - 18 - 21 - 1 - 14 - 12 - 12 - \frac{67}{(4-1)} - \frac{63}{(2-3)} - 17 - 24/2$ किला 18 300म
 $(80) (5-13) (80) (1-2) (1/2) (3-8) (4-2)$

लकरा 96-8 (12.05 एमड) का लारकल मुख्य होकारिका कातोनी
 श्रीजी इन्का प्रो. जयशंकर, लारकली कुं इन्का प्रो. जयशंकर
 मोर्टि आर्किटेक्चर जालि, विमूल बिल्डिंग जालि 90 कन्वर्सी
 कार्ड प्रो. जयशंकर  कोप प्रो. जयशंकर हुकरे किलिना
 लौलेनका 123 दिनांक 22/8/2014 जिल्ला इन्का शोका माल
 दिनांक के कर सिनाई।

श्री मान जी,
 तरादीक की जाती है कि नकल
 मुताबिक 3 के उपात हमब जाबता
 नकद वसूली

ह. पटवारी
 22/11/24